SANJAY
STORE TEXTILES
Dara Market, Johari Bazar & Tonk Road, Paanch Batti JAIPUR
2570847

सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

If undelivered, Pl. return to
रमन अग्रवाल (संपादक)
हैल्थ व्यू : 170/3, रामगली, राजापार्क
जयपुर-302004
मो. 98290-66272

राष्ट्रस्तरीय पाक्षिक पत्रिका

HEALTH VIEW हैल्थव्यू

कैंसर एवं गंभीर बीमारियों की रोकथाम में प्रयासरत संस्थान

विशेष वार्षिक सदस्यता-500/-* सहयोग-2100*/- विशेष सहयोग 3100*/-

वर्ष 23 अंक 22 हिन्दी/अंग्रेजी पृष्ठ 4 प्रति-2 रु., जयपुर 04 जनवरी, 2025

चाय, नमकीन, सुपारी, मसाले, पाउडर इत्यादि की पैकिंग के लिए
ऑटोमेटिक पाउच पैकिंग मशीनें
सुरेंद्र कुमार एण्ड कंपनी
2368358, 2378231 मो. 9829013384
खंडेलवाल स्कूल बिल्डिंग, स्टेशन रोड, जयपुर

आर्थराइटिस के खतरे और उपचार पर डॉ. राजीव भार्गव की सलाह

घुटने के दर्द को न करें नजरअंदाज

डॉ. राजीव भार्गव

आजकल घुटनों में दर्द एक आम समस्या बनती जा रही है, खासकर 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में। इंटर्नल हॉस्पिटल के वरिष्ठ जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ, डॉ. राजीव भार्गव का कहना है कि यह समस्या आर्थराइटिस के कारण हो सकती है, जो कई बार गंभीर रूप ले लेती है।

आर्थराइटिस के कारण और लक्षण

घुटनों में दर्द का मुख्य कारण ऑस्टियोआर्थराइटिस है। यह रोग कार्टिलेज के घिसने के कारण होता है, जिससे हड्डियों में रगड़ बढ़ जाती है और सूजन तथा दर्द उत्पन्न होता है। इसके मुख्य कारण हैं

आनुवंशिक प्रवृत्ति – उम्र के साथ जोड़ का घिस जाना, चोट, गठिया, गाउट, या थाइरोइड जैसी समस्याएं, शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी आदि। इसके शुरुआती लक्षणों में सुबह के समय घुटनों में जकड़न (मॉर्निंग स्टिफनेस), नीचे बैठने, आलथी-पालथी मारने, और सीढ़ियां चढ़ने में कठिनाई होती है। समय के साथ यह सामान्य चलने-फिरने में बाधा उत्पन्न कर देता है।

रोग का निदान और उपचार

बीमारी की पुष्टि के लिए एक्स-रे और ब्लड टेस्ट किए जाते हैं। शुरुआती अवस्था में फिजियोथेरेपी और कुछ परहेजों से लाभ मिल सकता है। डॉ. भार्गव के अनुसार, रोगी को निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए -

1. जमीन पर बैठने और इंडियन स्टाइल के टॉयलेट का उपयोग न करें।
2. सीढ़ियों का उपयोग कम से कम करें।
3. कैल्शियम और विटामिन डी3 का नियमित सेवन करें।

इंजेक्शन और ऑपरेशन के विकल्प

अगर दर्द बढ़ जाए और अन्य उपायों से आराम न मिले, तो इंजेक्शन या ऑपरेशन का सहारा लिया जा सकता है।

इंजेक्शन – स्टेरॉइड्स के इंजेक्शन अस्थायी राहत देते हैं, लेकिन इन्हें 2-3 बार से अधिक नहीं लगाना चाहिए।

जोड़ प्रत्यारोपण – यह एक सफल ऑपरेशन है। आधुनिक इम्प्लांट की मदद से रोगी का जोड़ प्रत्यारोपण का दिया जाता है फिर वह सामान्य जीवन जी सकता है और जमीन पर बैठ भी सकता है।

भ्रामक उपचार से बचें

डॉ. भार्गव ने टीवी और अखबारों में दिखाए जाने वाले तेल और पाउडर के भ्रामक विज्ञापनों से बचने की सलाह दी। इनसे आमतौर पर कोई लाभ नहीं होता और देसी इलाज से घुटनों को और अधिक नुकसान हो सकता है।

सम्पर्क सूत्र
डॉ. राजीव भार्गव
मोबाइल9829015752

2024 की शीर्ष 10 चिकित्सा तकनीकें जो स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाएंगी

चिकित्सा क्षेत्र में तेजी से प्रगति हो रही है, जिससे स्वास्थ्य सेवा में क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। यहाँ 2024 की शीर्ष 10 चिकित्सा तकनीकें हैं जो स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाएंगी –

1. **mRNA प्रौद्योगिकी** – यह तकनीक नए कोविड-19 टीकाकरण में अपनाई गई है और इसका उपयोग भविष्य में अन्य बीमारियों के इलाज के लिए भी किया जा सकता है।
2. **आभासी वास्तविकता** – यह तकनीक मानसिक स्वास्थ्य विकारों के उपचार में मदद कर सकती है और दर्द प्रबंधन में भी इसका उपयोग किया जा सकता है।
3. **न्यूरोटेक्नोलॉजी** – यह तकनीक मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के कार्यों को समझने और उन्हें बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।
4. **कृत्रिम बुद्धिमत्ता** – यह तकनीक स्वास्थ्य सेवा में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है, जैसे कि बीमारियों का जल्द पता लगाना और सटीक निदान करना।
5. **3डी प्रिंटिंग** – यह तकनीक सर्जरी के लिए प्रत्यारोपण और जोड़ बनाने में मदद कर सकती है।
6. **सटीक चिकित्सा** – यह तकनीक प्रत्येक रोगी की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार उपचार प्रदान करती है।
7. **क्रिस्पर** – यह तकनीक जीन संपादन में मदद कर सकती है और बीमारियों के इलाज में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।
8. **टेलीमेडिसिन** – यह तकनीक दूरस्थ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करती है और रोगियों को अपने घरों से ही चिकित्सा सेवा प्राप्त करने में मदद कर सकती है।
9. **स्वास्थ्य संबंधी पहनने योग्य वस्तुएं** – यह तकनीक रोगियों की निगरानी और उनकी फिटनेस में सुधार करने में मदद कर सकती है।
10. **मानसिक स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी** – यह तकनीक मानसिक स्वास्थ्य विकारों के उपचार में मदद कर सकती है और रोगियों को अपनी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद कर सकती है।

कितनों की जान गई तब समझ आई दिल की अहमियत

डॉ. सुनील जैन

भारत ने कई कम उम्र के एकटर्स को खोया, जैसे कन्नड़ सुपरस्टार पुनीत राजकुमार, BBv3 के विनर सिद्धार्थ शुक्ला, सिंगर केके, बॉलीवुड एक्टर सतीश कौशिक और कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव सहित कई लोगों की मौत हार्ट अटैक से हुई।

बिना विशेष कारणों के आर्टरी में थ्रोम्बोसिस बना। डॉ. सौरभ माथुर, सीनियर ऑर्थो सर्जन ने अस्पताल जाने से पहले सुबह के सभी दैनिक काम किए। बैडमिंटन खेलने के बाद अचानक हार्ट अटैक आया और डेथ हो गई। डॉ. अरुण गर्ग, एमडी, मेडिसिन- रोजाना तीन किलोमीटर तक घूमते, खेलते थे। एसएमएस मेडिकल कॉलेज ग्राउंड में खेलते समय अचानक हार्ट अटैक आया, 4 मिनट में मौत हो गई।

बढ़ते हार्ट अटैक के मामलों को देखते हुए आने वाले साल यानी 2025 में हमे ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। एस एम एस मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ सुनील जैन का कहना है कि भारत में बढ़ते तनाव, खराब खानपान, और बिजी लाइफस्टाइल के कारण हृदय रोगों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। नियमित जांच, समय पर ईसीजी और ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग जैसी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है. साथ ही, स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग, ध्यान और सही पोषण का ध्यान रखें। वैसे तो हार्ट अटैक कभी भी आ सकता है लेकिन सर्दियों में

हार्ट अटैक अधिक होने की संभावना होती है। इसलिए ठंड के मौसम में हमें अपने खान-पान और दिनचर्या का खास ख्याल रखना चाहिए।

दूसरी वजह हमारे बॉडी में ठंड में अक्सर हमारा बीपी शूट करता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। हार्ट अटैक की तीसरी वजह है फैटी खाना खाना। खासकर हम लोग वेस्टर्न फूड ज्यादा पसंद करते हैं जो की हार्ट अटैक का कारण बनता है। इसके अलावा एक साथ ठंड में लंबा एक्सपोजर होने से भी नसें ब्लॉक हो जाती है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। इन्हीं सब चीजों की वजह से बॉडी में इन्फ्लेमेशन बढ़ता है और हार्ट अटैक के चांसेस बढ़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि हार्ट अटैक से बचने के लिए हमें नियमित फिजिकल एक्टिविटीज करनी चाहिए। सर्दी में अर्ली मॉर्निंग ना निकलें, थोड़ी धूप निकल आए तभी घर से बाहर निकलें। साथ ही फुल प्रोटेक्शन के साथ निकलें। खाने को बैलेंस रखें, ऐसा खाना खाएं जिसमें सब्जियां और फल ज्यादा हों। फैटी चीजों को खाने से बचना चाहिए। इसके अलावा फ्रूट्स और प्रोटीन रिच डाइट लेनी चाहिए।

रोज करें वॉक – ठंड के मौसम में प्रतिदिन 30 से 35 मिनट वॉक करना चाहिए. तुरंत स्मोकिंग बंद कर देना चाहिए। बीपी और हार्ट अटैक के फैमिली बैकग्राउंड वाले अपना खास ख्याल रखें। समय-समय पर बॉडी चेकअप कराएं ।

संपर्क सूत्र - डॉ सुनील जैन
मो 94140 63035

बिगड़ती जीवनशैली और युवा पीढ़ी - संस्कारों का ह्रास और नशे की काली छाया

युवा पीढ़ी हो रही है नशे में चूर - रातें कर रहे काली

हमारे भारत में भी 1 जनवरी को जोर शोर से नववर्ष मनाया जाने लगा है। पश्चिमी सभ्यता अंग्रेजी कैलेंडर पर नव वर्ष सेलिब्रेट किया जाता है। इस बारे में नारायण मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सुमित गक्खड़ का कहना है कि लेकिन यह क्या संस्कृति सामने आ रही है कि नव वर्ष की पूर्व संध्या पर नशे में चूर हो जाए रातें काली करें और सुबह अपना दिन खराब करें।

डॉ सुमित गक्खड़

आजकल की युवा पीढ़ी में नववर्ष की पूर्व संध्या हो या कोई भी त्यौहार हो उनके लिए खुशी का मतलब नशा हैं। वह सोचते हैं नशा नहीं किया तो खुशी नहीं मिली। युवाओं में यह सोच पनप रही है कि पार्टी का मतलब अल्कोहल। आजकल युवा पीढ़ी गांजे का सेवन भी बहुत करने लगी है स्कूल कॉलेज के लड़कों को गांजा का सेवन करते हुए देखा जा सकता है। आज

बिगड़ी जीवन शैली में युवाओं में तीन बुरी आदतें सामने देखने को मिल रही है पहला नशा दूसरा रिलेशनशिप तीसरा क्रोध उत्तेजना। अभी हाल ही हमारे सामने इन तीनों बुरी आदतों के क्लासिकल उदाहरण सामने आया है जिस कारण हुए मर्डर बलात्कार के केसेज को मीडिया ने बहुत उछाला है। इन सब का जिम्मेदार काफी हद तक सिनेमा का बिगड़ता स्वरूप है। आजकल की सिनेमा में स्टंट और हिंसा भरपूर दिखाई देती है। इन पर अंकुश लगाना चाहिए।

सिनेमा में आज भी 1984 के शराबी मूवी के गाने लोग कहते हैं मैं शराबी हूं और नशा शराब में होता तो नाचती बोतल चार बोतल वोतका काम मेरा रोज का। जैसे गानों का प्रचलन रुका नही है। इन गानों से युवा पीढ़ी भ्रमित होती है। उनके लिए आनंद का दूसरा पर्याय नशा बन रहा है। इसके अलावा उन्होंने बेहद चिंताजनक स्थिति पर गौर करते हुए बताया कि आजकल लिविंग रिलेशनशिप भी काफी देखने को मिल रही है जो एक धीमा जहर है यह प्री मैरिज रिलेशनशिप शादी के बाद भी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स को बढ़ावा दे रहा है जो अत्यंत घातक तस्वीर पेश करेगी। संस्कारों की ही होती है विजय

संपर्क सूत्र डॉ सुमित गक्खड़
मो 74129 66986

कैंसर से बचाव : जांच से अधिक महत्वपूर्ण है सावधानी

डॉ. कमल किशोर लखेरा

कहते हैं कि किसी भी रोग के उपचार में जाँच की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, बात भी सही है लेकिन सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. कमल किशोर लखेरा का कहना है कि जाँच से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है सावधानी।

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसके लक्षणों के बारे में आम जनता में जानकारी का अभाव है, साथ ही इसके लक्षण के बारे में बीमारी के बढ़ने पर व्यक्ति को आभास होता है। डॉ. लखेरा ने आमजन को कुछ बिंदुओं पर गौर करने के लिए कहा है कि व्यक्ति के शरीर में यदि निम्न लक्षण दिखाई दे तो कैंसर का संदेह कर जाँच अवश्य करनी चाहिए, जैसे कि - मुंह में छाला हो उसमें रक्तस्राव होता है और काफी दिनों से उपचार के बाद भी ठीक नहीं रहा हो।

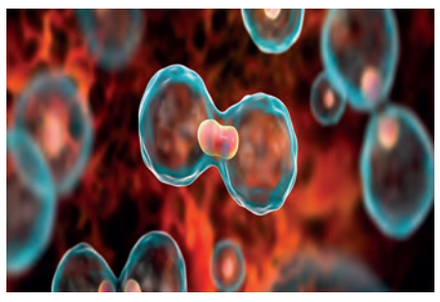

- शरीर के किसी अंग में रक्तस्राव हो रहा हो,
- शरीर के अंदर ऐसी कोई गांठ जो 15 दिन से ज्यादा की हो और दर्द रहित हो, विशेष बात यह भी कि कैंसर की गांठ में साइज कोई मायने नहीं करता, कैंसर की गांठ का आकार समय के साथ बढ़ता है।

उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मनुष्य आज भी बायोप्सी से घबराता है, जबकि कैंसर के निदान का एकमात्र प्रारंभिक तरीका बायोप्सी है। उन्होंने निम्न तथ्य पर जोर दिया कि जितना जल्दी निदान होगा, उतना ही अच्छा उपचार होगा। इस बात को विशेष रूप से ध्यान में रखें।

संपर्क सूत्र - डॉ. कमल किशोर लखेरा
मो. 9742794320

Happy New Year
KANAN REMEDIES
MUMBAI
2025
Kanan Remedies
(An ISO 9001 : 2015 Certified Company)
WHO GMP Certified Products
88528-32320

उद्देश्य - उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं को किफायती दरों पर उपलब्ध कराना है। यह कदम न केवल रोगियों के इलाज को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाएगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को भी एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा।
वैभव शर्मा ने कहा, कानन रेमेडीज के माध्यम से हमारा प्रयास है कि हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण और सस्ती दवाइयों का लाभ मिल सके।
निदेशक वैभव शर्मा
मो 96656 32320

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. Goyal's
PATH LAB & IMAGING CENTRE
Dr. Piyush Goyal
MBBS, DMRD
Director & Chief Radiologist
• MRI (3 Tesla) • CT SCAN (32 Slice) • 3D/4D ULTRA SONOGRAPHY • COLOUR DOPPLER • CTMT • 2D ECHO • ECG • NCV • EEG • EMG • LABORATORY • DIGITAL X-RAY
B-51, Ganesh Nagar, Near Metro Pillar No. 109-110
New Sanganer Road, Sodala, Jaipur
Ph: 0141-2293346, 4049787, 9887049787

NEURO CARE HOSPITAL
& Research Centre Pvt. Ltd
Dr. NEMI CHAND POONIA
DIRECTOR
(MBBS, MS, Mch Neuro surgery)
Vision of Excelence Mission to save Lives
न्यूरो एवं स्पाइन की विश्व स्तरीय अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा
न्यूरो एंडोस्कोपी द्वारा मस्तिष्क एवं स्पाइन के ऑपरेशन की सुविधा
14 बेड का गहन चिकित्सा इकाई, विश्व स्तरीय मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर
नसों के रास्ते दिमाग की जटिल बीमारियों का इलाज
राजस्थान में प्रथम न्यूरो नेविगेशन सिस्टम के द्वारा ऑपरेशन की सुविधा
1/611 Sector 1, Vidhyadhar Nagar Jaipur
PH: 0141-2236712, 9983300286

Manik Chand & Sons
(Jewellers) Pvt.Ltd
Platinum, Diamond, Gold, Sliver, Pearl & Watches
Christian Basti, G.S. Road, Guwahati
Assam - Mob- 96780-68944
Email : info@mcj.net.in
Website : manikchandjewellers.com

आधुनिक लेजर नेत्र चिकित्सा में राज्य का गौरव
स्माईल लेसिक
चश्मा हटाने का राज्य में एकमात्र स्थान
SMILE LASIK
बिना फ्लेप, बिना ब्लेड लेजर द्वारा चश्मा हटाना, पतले कार्निया के लिए भी अधिक सुरक्षित
VisuMax Laser
राज्य/केन्द्र सरकार कर्मचारियों, पेंशनर्स एवं मेडिकल के लिए अधिकृत नेत्र चिकित्सालय
डॉ.वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर
टोंक फाटक, फोर्ड शोरूम के पीछे,टोंक रोड, गांधी नगर, जयपुर
9829017147, 9414043006 www.newsperfectvision.com

उपचार से बेहतर है रोकथाम, स्वस्थ शरीर के लिए व्यायाम

"विचार"

नए साल में एक प्रण जरुर लें

पंकज अंबा

2024 का दिसम्बर खत्म होने और फिर एक बार नये साल को देखने का मौका मिला। धन्यवाद देवे उस मालिक का जिसने यह मौका फिर दिया और धन्यवाद उन सब की दुआओं का जिनकी वजह से यह साल गुजर गया। शुक्र ही है कि किसी की बददुआ नहीं लगी वरना हम ही गुजर जाते।

आज हर आदमी सोच में डूबा है कि उसने क्या पाया पिछले साल में। ज्यादातर लोगों की नजर अपने फाइनेन्स पर होती है। किसी को जन्म की खुशी मिली तो किसी को मौत का गम। पर मेरा यह मानना है कि शायद ही 2 प्रतिशत लोग होंगे जिन्होंने अपनी सांसों की पूँजी 1 साल खर्च करके कुछ पाया होगा, वरना सब की पूँजी घाटे में ही गयी होगी, कुछ नहीं कमाया सिर्फ सांसों के सहारे इस मिट्टी के षारीर में जान ही डालते रहे। अगर सच्चे मन से आज कुछ देखना है, कुछ सोचना है तो देखो झाँक कर, अपने पिछले साल में, कितनों के साथ तुमने जान कर पाप किये (पुण्य मत गिनना वरना अहँकार आ जायेगा) और कितनों के साथ अनजाने में हो गये। अगर करना है कुछ इस नये साल में तो कसम लो अपने आपको पक्का करो कि उन सब का इस साल ऋण उतारोगे तब तो तुम्हारा यह साल-नया साल एक नया जीवन लेकर आयेगा वरना फिर यह कौल्हू का बैल एक चक्कर और काट जायेगा आँखों में

पट्टी बाँधे जिसने देखना-समझना कुछ नहीं सिफ चलना है। बड़ी किस्मत वाले हो जो आज परिवार के साथ नये साल का प्रोग्राम टी.वी. में देखा। वरना पूछो उन लोगों से उनके दिलों से जिनके घरों में इस समय 1-2 कुर्सियां खाली हो गयी है इसलिये मालिक का धन्यवाद करो जिसने यह दिन तुमको दिखाया, अगर छोड़ना है आज, तो छोड़ो सिर्फ एक चीज एक वृत लो कि जो चीज मैं दे नहीं सकता किसी से छीनूंगा नहीं। फिर देखो तुम्हारा जीवन सम्भल जायेगा और अगर पकड़ना है कुछ तो सिर्फ एक वृत लो रोज अपना काम अपना दिन शुरू करने से पहले मंदिर जाओ तुमको अपने आज अपने अदंर बदलवाव नजर आयेगा। आप सब को मेरी तरफ से नए साल की शुभकामनायें मालिक सभी को सुख-समृद्धि दे।

संपर्क सूत्र-पंकज अंबा
मो. 9829353757

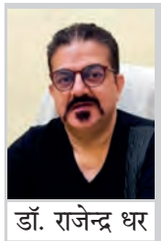

डॉ. राजेन्द्र धर

एंटीबॉयोटिक लेने से पहले करें विचार

एंटीबॉयोटिक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता या रेजिस्टेंस पैदा हो रही है, जो सेहत के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है। छोटे-मोटे संक्रमण के लिए भी एंटीबॉयोटिक का बेवजह इस्तेमाल हो रहा है, जिससे बैक्टीरिया इनके प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर रहे हैं।

आमतौर पर हर छोटी-बड़ी बीमारी के लिए लोग झट से एंटीबॉयोटिक ले लेते हैं, लेकिन निम्स मेडिकसल कॉलेज एवं अस्पताल के विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र धर ने नववर्ष का संदेश देते हुए कहा कि इन दवाओं को लेकर लोगों को आगाह किया है।

उनका कहना है कि एंटीबॉयोटिक के प्रति प्रतिरोधक क्षमता या रेजिस्टेंस पैदा हो रही है, जो सेहत के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है। छोटे-मोटे संक्रमण के लिए भी एंटीबॉयोटिक का बेवजह इस्तेमाल हो रहा है, जिससे बैक्टीरिया इनके प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर रहे हैं। डॉ. धर ने मरीजों को सलाह दी है कि वे दवाओं का सेवन जरा सोच-समझकर करें। खासकर तब जब बहुत कम नई एंटीबॉयोटिक दवाएं विकसित हो रही हैं। जिस स्तर और दर से एंटीबॉयोटिक दवाएं अपना असर खो रही हैं, वह चिंता का विषय है और इस असर को बदला नहीं जा सकता। एंटीबॉयोटिक दवाओं के प्रति बैक्टीरिया तेजी से प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर रहे हैं।

ब्रिटिश डिजीज एक्सपर्ट के मुताबिक एंटीबायोटिक्स का कोर्स पूरा करने की सलाह आपको ड्रग

रेसिस्टेंट बना रही है यानि इससे बाकी दवाओं का असर बॉडी में कम हो रहा है। वहीं ब्रिटिश मेडिकल जर्नल की टीम का कहना है कि एंटीबायोटिक दवाईयों को रोकना नहीं चाहिए क्योंकि दवाईयों का असर गलत दवाईयों का उपयोग करने से खत्म हुआ है। वर्लड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन भी एंटीबायोटिक्स का कोर्स पूरा करने की सलाह देती है। ब्रिजॉन और ससेक्स मेडिकल स्कूल के एक्सपर्ट मार्टिन लेवेलिन की टीम का कहना है कि वे पॉलिसीमेकर्स, एड्यूकेटर्स और डॉक्टर्स को एंटीबायोटिक्स दवाओं का कोर्स पूरा करने की सलाह नहीं देनी चाहिए। हालांकि अभी इस पर और रिसर्च जारी है।

लंदन के रॉयल कॉलेज ऑफ जनरल प्रैक्टिसनर के हेलन स्टोक्स लेम्पारड का कहना है कि नए सबूतों पर ध्यान देना जरूरी है लेकिन एक स्टडी को देखकर कोई नतीजा नहीं निकाला जा सकता।

संपर्क सूत्र
डॉ. राजेन्द्र धर
मो. 9414073962

दादी मां के नुस्खे

सहारा आयुर्वेद अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर के डॉ. अशोक कुमार शर्मा का कहना है कि मानव शरीर के रोगोपचार में कई बार घरेलू नुस्खे बहुत कारगर होते हैं।

झुर्रियों से मुक्ति दिलाएं ये नुस्खे

बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर झुर्रियां लाजमी हैं लेकिन प्रदूषण, तनाव और गलत जीवनशैली की वजह से समय से पहले ही झुर्रियां आपके चेहरे की रौनक छीन सकती हैं। ऐसे में इन्हें दूर भगाने के लिए जरूरी नहीं कि आप एंटी एजिंग उत्पादों या पार्लर पर पैसे खराब करें। आप घर पर भी इनसे बचाव के लिए होममेड पैक तैयार कर सकते हैं।

अंडा और क्रीम

अंडा में बायोटिन, पप्रोटीन और विटामिन्स अच्छी मात्रा में होते हैं जो त्वचा का कसाव बरकरार रखते हैं और झुर्रियां कम करने में मददगार होते हैं। इसके अलावा, उसकी पीली जर्दी में एंटीएजिंग गुण मौजूद हैं जबकि क्रीम त्वचा को मॉश्चराइज करती है। इसके लिए अंडे को आधा कटोरी क्रीम में फेंटे और कुछ बूंद नींबू का रस डालकर मिलाएं। इस मास्क को चेहरे पर 15 मिनट तक लगाकर छोड़ दें और ठंडे पानी से चेहरा धुलें। आप इसे नियमित रूप से भी लगा सकते हैं।

केले और गाजर का मास्क

केला और गाजर, दोनों में ही विटामिन्स मौजूद हैं जो त्वचा को पोषण देते हैं, दाग दूर करते हैं और झुर्रियां नहीं पड़ने देते। एक केले और एक गाजर को पीसकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर हल्के गुनगुने पानी से चेहरा साफ करें।

संपर्क: डॉ. अशोक कुमार शर्मा
मो. 9314512311

उपरोक्त नुस्खे चिकित्सक की सलाह से ही लें।

जयपुर के मीनू ड्रेसेज का 65 वर्षों का सफर: ग्राहकों को मिल रहा है चांदी का सिक्का उपहार

जयपुर। मीनू ड्रेसेज, जयपुर का एक प्रतिष्ठित परिधान ब्रांड, अपनी स्थापना के 65 वर्ष पूरे करने का जश्न मना रहा है। इस अवसर पर, मीनू ड्रेसेज अपने ग्राहकों को ?5000 की खरीद पर एक चांदी का सिक्का उपहार में दे रहा है। मीनू ड्रेसेज की स्थापना सन 1959 में दाउ दयाल जी टाक ने की थी, जिसका उद्घाटन तत्कालीन वित्त मंत्री मथुरादास माथुर ने किया था। तब से, यह ब्रांड जयपुर के परिधान उद्योग में एक प्रमुख नाम बन गया है।

मीनू ड्रेसेज में भारत की प्रसिद्ध कंपनियों का माल उचित दरों पर आधुनिक डिजाइनों के कलेक्शन के साथ उपलब्ध है।

यहां पुरुष, महिलाओं और बच्चों के पहनने के सभी वस्त्र उपलब्ध हैं। ग्राहकों का कहना है कि वे दादाजी के समय से यहां शॉपिंग करते आ रहे हैं और यहां से खरीदे हुए ऊनी वस्त्र लगभग 10 साल तक खराब नहीं होते हैं। उन्हें केवल नए डिजाइनों के कारण नया माल खरीदना पड़ता है।

टॉक परिवार का कहना है कि हम हमारी साख के लिए ग्राहकों का विश्वास जीतते हैं। हमारा उद्देश्य हमारे ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले परिधान प्रदान करना है। इस संस्थान के निर्देशक किशोर कुमार टाक ने बताया कि आज 65 वर्षों से संस्थान को हमारे साथ हमारे पुत्र करण टाक और उनके पुत्र राजवीर सिंह टाक अपना योगदान दे रहे हैं।

चिकित्सा नैतिकता का उल्लंघन - बगैर पस कल्चर कराए एंटीबायोटिक देना न्यायसंगत नहीं

एक महत्वपूर्ण मामला सामने आया है, जिसमें डॉक्टर द्वारा बगैर पस कल्चर कराए एंटीबायोटिक देने का मामला सामने आया है। यह मामला चिकित्सा नैतिकता और मरीज के अधिकारों के उल्लंघन का सवाल उठाता है।

पस कल्चर एक महत्वपूर्ण जांच है जो यह पता लगाने में मदद करती है कि घाव में कौन से बैक्टीरिया हैं और उन्हें कौन सी एंटीबायोटिक से इलाज किया जा सकता है। लेकिन बगैर पस कल्चर कराए एंटीबायोटिक देने से एंटीबायोटिक का दुरुपयोग हो सकता है, जिससे बैक्टीरिया के प्रति प्रतिरोधक क्षमता बढ़ सकती है।

चिकित्सा नैतिकता का उल्लंघन- बगैर पस कल्चर कराए एंटीबायोटिक देना न्यायसंगत नहीं इस मामले में, डॉक्टर को पस कल्चर करने के लिए दबाव या काउंसलिंग करनी चाहिए थी, ताकि मरीज का सही तरीके से इलाज किया जा सके। लेकिन डॉक्टर द्वारा बगैर पस कल्चर कराए एंटीबायोटिक देने से मरीज का इलाज प्रभावित हो सकता है।

जिम्मेदारी का सवाल है, तो यह डॉक्टर की जिम्मेदारी है कि वह मरीज का सही तरीके से इलाज करे और पस कल्चर जैसी महत्वपूर्ण जांचों को करे। मरीज को भी अपने अधिकारों के बारे में जागरूक रहना चाहिए और डॉक्टर से सवाल पूछना चाहिए।

ठंड में सावधान रहे ब्लड शुगर रोगी

आपके खून में ब्लड शुगर के स्तर पर मौसम सीधा असर डालता है। सर्दियों में खून गाढ़ा हो जाता है और इस वजह से ब्लड शुगर का स्तर बदलता रहता है। डायबिटिज पीड़ितों को चिकित्सकों की सलाह है कि वे सर्दियों में खुद को गर्म रखें और पौष्टिक आहार लें। मौसम में ठंडक आ जाने से पसीने छुड़ा देने वाली गर्मी से तो राहत मिलती है, लेकिन जो लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं, उन्हें इस मौसम में अपना ध्यान ज्यादा रखना चाहिए। गर्मी और सर्दी दोनों मौसमों के शिखर पर डायबिटिज पीड़ितों के ब्लड शुगर के स्तर में गंभीर उतार-चढ़ाव हो सकता है। सबसे अहम बात यह कि मौसम बदलने का शरीर की कार्यप्रणाली और इनसुलिन बनने की प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है।

फोर्टिस अस्पताल के डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

अस्पताल को राष्ट्रीय आयोग से राहत

जयपुर। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने इलाज में लापरवाही के मामले में फोर्टिस अस्पताल जयपुर के दो चिकित्सकों को दोषी ठहराया है, लेकिन अस्पताल को इस मामले में जिम्मेदार मानने से इनकार कर दिया।

मामला शिकायतकर्ता के पुत्र से जुड़ा है, जो बचपन में रीढ़ की हड्डी की दुर्लभ बीमारी एटलांटो-एक्सियल डिस्लोकेशन (एएडी) से पीड़ित था। मरीज की बिगड़ती स्थिति के चलते उसे एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन बिना अनुमति वहां से फोर्टिस अस्पताल में सर्जरी के लिए ले जाया गया। सर्जरी के बाद मरीज को जटिलताएं हुईं, जिसके चलते वेंटिलेटर पर रहते हुए उसकी मृत्यु हो गई।

शिकायतकर्ता ने चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए राज्य आयोग में 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की। राज्य आयोग ने अस्पताल और चिकित्सकों को दोषी मानते हुए मुआवजे का आदेश दिया। अस्पताल ने इस आदेश को चुनौती देते हुए राष्ट्रीय आयोग में अपील दायर की। राष्ट्रीय आयोग ने सुनवाई में पाया कि सर्जरी पूर्व जरूरी परीक्षण और उचित सहमति के बिना ऑपरेशन किया गया था। इस आधार पर आयोग ने चिकित्सकों को लापरवाही का दोषी माना, लेकिन अस्पताल को निर्दोष ठहराया। फोर्टिस अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि आदेश प्राप्त हो गया है और इस पर कानूनी सलाह ली जा रही है।

बिना डिग्री डॉक्टरों का खेल - मरीजों की जान से खिलवाड़, प्रशासन बेखबर

पटना। बिहार के भोजपुर और आसपास के जिलों में बिना डिग्री और रजिस्ट्रेशन के झोलाछाप डॉक्टरों का काला कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। दैनिक भास्कर की 20 दिनों की पड़ताल में खुलासा हुआ कि महज मैट्रिक और इंटर पास लोग खुद को विशेषज्ञ डॉक्टर बताकर मरीजों का इलाज कर रहे हैं।

नकली डॉक्टरों की सच्चाई -

भोजपुर के हर छोटे-बड़े बाजार में करीब पांच अवैध क्लीनिक संचालित हैं।

बिना रजिस्ट्रेशन के मेडिकल स्टोर्स और पैथोलॉजी लैब्स मौसमी बीमारियों से लेकर ऑपरेशन और डिलीवरी तक कर रहे हैं।

करीब एक हजार से अधिक झोलाछाप डॉक्टर मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं।

अन्य जिलों में भी फैला नेटवर्क - अरवल, शेखपुरा, नालंदा, और पटना के कई लोग रिश्तेदारों की टेक्नीशियन डिग्री का सहारा लेकर फर्जी डॉक्टर बने हुए हैं। कोई सर्जन का कंपाउंडर था तो कोई एक्सरे टेक्नीशियन, लेकिन अब खुद को विशेषज्ञ बताकर मासूमों की जिंदगी से खेल रहे हैं।

उदाहरण - नालंदा - महेश, एक इंटर पास व्यक्ति, अपनी बीएससी पत्नी को स्त्री रोग विशेषज्ञ और खुद को शिशु रोग विशेषज्ञ बताकर इलाज कर रहा है। पटना में एक्सरे टेक्नीशियन था। बीते वर्षों से धड़ल्ले से इलाज कर रहा है।

केस 2 - अजीमाबाद में संतोष बच्चों के इलाज के लिए प्रसिद्ध है। धड़ल्ले से इंजेक्शन और दवाईयां लिख रहा है। पूछने पर बोला, कुछ वर्ष तक सर्जन का कंपाउंडर था। चार स्टाफ भी रखा है, पेट का ऑपरेशन भी कर देता है।

नववर्ष की हार्दिक बधाई
Dr. A.K. Malakar
Bambore Gate
Tonk Raj.
Mob. 9460118089

नववर्ष की हार्दिक बधाई
Dr. Rajendra yadav
BDS, MDS, Master of implantology (USA)
G.L. Memorial Superspeciality
Raj Dental Hospital
G-1A&B Anukampa Apartment Model Town,
Malviya Nagar, Jaipur Mob- 9784804833

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
ASHOKA FURNISHINGS
31, Sarawgi Mansion,
M.I. Road, Jaipur,
Tel - 0141-2576526/2572505

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
BHARAT
Medical Center
Bharat Lakhera
Pharmacist
Dudu Road, Bus Stand Naraina
Mob. 9413328738, 7976001008

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
जुगल किशोर अग्रवाल
शेखाटिया मेडिकल
एस-22 महारानी फार्म दुर्गापुरा
जयपुर मो. 9928383541

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
चौधरी बवासीर अस्पताल
लाल कोठी, इन्द्रा कॉलोनी, सुभाष मंडी, नीम का थाना जिला सीकर
फोन 230578
डॉ. होशियार सिंह चौधरी
मो. 8104206545

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
Fixed Teeth only in 1 Hour
Dr. Preeti Mittal
ORAL DENTAL SURGEON
105, vrindavan vihar colony King's Road Nirman Nagar Jaipur
Mo: 9829460460

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
H.N. NURSING HOME
चूरू क्षेत्र का एक विश्वसनीय केन्द्र
DR. MUMTAJ ALI
Churu- Rajsthan
Mob. 9414084525
Ph: 250763

हैल्थ व्यू
नए साल में नई उम्मीदें, जीवन में आपके खुशियां भर दें
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
H.N. NURSING HOME
चूरू क्षेत्र का एक विश्वसनीय केन्द्र
Dr. MUMTAJ ALI
Churu- Rajsthan Mob. 9414084525 Ph: 250763

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
गोपाल लाल गोविन्द शरण अत्तार
हकीम गोपाल लाल
जड़ीबूटियां, सुखे मेवे, यूनानी आयुर्वेदिक दवाईयां शर्बत मुरब्बे ईत्यादी
1460, पुलिस थाने के सामने, सुभाष चौक, जयपुर - 9024870079

Rama SAREE PALACE
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
बिचला बाजार भिवानी हरियाणा मो. 9812041226

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रिया डेंटल केयर
डॉ मुकेश शेरावत
डेंटल सर्जन
Specialised RCT, Capping, Implant
37 ए ब्रज वाटिका 7 नंबर स्टैंड जगतपुरा
जयपुर मोबाइल 98751 97002

Happy New Year
KRISHNA DISTRIBUTORS
A House of Generic Medicine & Surgical Items
Jitendra Kumar Sharma
Himalaya HERBAL HEALTHCARE
Mob.No. 9414304446
9351010190
15, Tara Nagar-D, North, Opp. Paradise, Jhotwara Jaipur

LIFE SAVER
A SHOP OF LIFE SAVING DRUGS
STOCKISTS FOR
Cancer & Cardiac Medicines, Disposable Surgery Items Nutrition Fluids
168, Nehru Bazar, JAIPUR
TelÑ 2313129, 2310483, 2313281, MobÑ 98290-14267
DELIVERY FACILITY AVAILABLE

MAHAVEER DIAGNOSTIC
Super Speciality Lab
Thyroid ♦ Harmones ♦Tumour Markers ♦ Infertility/ Pregnency Hormones♦ Torch ♦ Metabolic Hormones ♦ Druf Assays
Dr. Manoj Jain
Mob. 94144-60959
ECHO & COLOR DOPPLER CENTRE
Whole Body Color Doppler Study, 2 D Echo- Adult & Paediatric, Carotid Doppler, Peripheral & Renal Doppler, Small Parts - Penile Doppler, Fetal Doppler & Echo
Manav Ashram, Gopalpura Mod, Jaipur Ph: 2704787

सूचना

हैल्थ व्यू में प्रकाशित लेख लेखकों के अपने विचार हैं और केवल आपकी जानकारी के लिए है कोई भी लेख पर अमल करने से पूर्व अपने चिकित्सक से परामर्श अवश्य कर लें। हैल्थ व्यू के सम्पादक, प्रकाशक व मुद्रक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

THE EDITTORIAL BOARD DOES NOT ENDORSE ANY PRODUCTS ADVERTISED IN THIS NEWSPAPER.

किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र केवल जयपुर होगा।

प्रत्येक अंतिम शनिवार को नि:शुल्क एक्यूप्रेशर व रेकी चिकित्सा जिसमें शारीरिक, मानसिक व चर्म से संबंधी रोगों का उपचार होगा।
संपर्क सूत्र
आकृति क्लिनिक
डॉ. पमिला छाबड़ा
मो. : 9829735666
रेकी व एक्युप्रेशर प्रशिक्षण हेतु संपर्क करें

अनदेखी का रोग

संपादकीय

यह आंकड़ा किसी भी देश और वहां की सरकारों के लिए व्यापक चिंता का विषय होना चाहिए। लेकिन हमारे देश में इस तरह के सवालों की अनदेखी करना या उनके प्रति अगंभीर बने रहना एक रिवायत–सी हो गई है। विडंबना यह भी है कि अगर किसी बीमारी की चपेट में आकर जान गंवाने वालों की संख्या तेजी से नहीं बढ़ती है तो वह मुख्य चिंता की वजह भी नहीं बन पाती।

हमारे देश में हर साल किसी बीमारी की वजह से हजारों ऐसे लोगों की मौत हो जाती है, जिन्हें समय रहते चिकित्सीय सुविधाएं मुहैया करा कर बचाया जा सकता था। यह हर साल संक्रमण या किसी वजह से होने वाली बीमारियों के मामले में साबित होता रहा है, लेकिन साल–दर–साल यही स्थिति बनी रहने के बावजूद सरकारों की ओर से ऐसी कोई नियमित व्यवस्था नहीं की जा सकी है, जिससे किसी रोग के फैलने पर उससे निपटने को लेकर आश्वस्त हुआ जा सके। यही वजह है कि कभी डेंगू तो कभी चिकुनगुनिया या फिर इन्सेफलाइटिस जैसे बुखार फैलने और समय पर इलाज न मिल पाने की वजह से बहुत सारे बच्चों की जान चली जाती है। हालांकि कुछ बीमारियां ऐसी हैं, जो लंबे समय से दुनिया के बहुत सारे देशों के लिए चुनौती बनी हुई हैं। ब्रिटेन स्थित गैरसरकारी संगठन 'सेव द चिल्ड्रन' की ओर से कराए गए वैश्विक अध्ययन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत में निमोनिया के कहर से 2030 तक सत्रह लाख से ज्यादा बच्चों के मरने की आशंका है। इसकी चपेट में आकर दुनिया भर में अगले बारह सालों में एक करोड़ से ज्यादा बच्चों की जान जाने की आशंका है। मगर भारत, पाकिस्तान, नाइजीरिया और कांगो सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में होंगे।

जाहिर है, यह आंकड़ा किसी भी देश और वहां की सरकारों के लिए व्यापक चिंता का विषय होना चाहिए। लेकिन हमारे देश में इस तरह के सवालों की अनदेखी करना या उनके प्रति अगंभीर बने रहना एक रिवायत–सी हो गई है। विडंबना यह भी है कि अगर किसी बीमारी की चपेट में आकर जान गंवाने वालों की संख्या तेजी से नहीं बढ़ती है तो वह मुख्य चिंता की वजह भी नहीं बन पाती।

क्यों विक्रय हो रही है अमानक और अवधि पर दवाइयां

औषधि नियंत्रण विभाग का काम दवाओं के निर्माण, उसकी गुणवत्ता और बिक्री पर नजर रखना होता है। लेकिन देखने में ये आ रहा है कि विभाग का शिकंजा केवल चौथ वसूली तक सीमित है क्योंकि जिन दवाओं के नमूने औषधि नियंत्रक अधिकारी द्वारा लिए जाते है उनकी समय पर जांच नहीं होती तो नमूने भी पर्याप्त मात्रा में नहीं लिए जाते है।

जिन नमूने की जांच रिपोर्ट में दवा अमानक पाई जाती है उसकी सूचना जारी कर औपचारिक कार्यवाही पूरी की जाती है। वे दवाएं बाजार में विक्रय हो रही है या नहीं इसे कोई सुनिश्चित नहीं करता। ऐसा कभी देखने में नहीं आया कि

अवमानक दवाओं की खेप को जब्त किया गया हो। अमानक दवाओं की ओर जब ने तो विक्रेता का ध्यान जाता है ना ही विक्रय करने वाले का तो खरीददार के ध्यान का तो प्रश्न ही पैदा नहीं होता। अमानक दवाओं की बिक्री धड़ल्ले से चालू रहती है। अमानक दवाओं और अवधि पार दवाओं के भंडारण के लिए दवा विक्रताओं के पास पृथक से ताला चाबी युक्त बॉक्स बनाए जाने का प्रावधान ड्रग एक्ट में है। लेकिन इस नियम की धज्जियां उड़ाई जाती है क्योंकि औषध नियंत्रण अधिकारी को अपनी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए ही समय नहीं है तो वह नियमों का पालना करवाने में कड़ाई बरतेगा। दवा परीक्षण प्रयोगशाला में हर माह लगभग 18 दवाओं के नूमनों पर प्रतिबंध लगाया जाता है लेकिन उनकी वापसी और नष्ट करने की कोई कार्यवाही नहीं होती है।

सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया।
सोच बदलनी होगी यह कहावत शाश्वत सत्य है। सभी सुखी हों सभी रोग मुक्त रहें हम सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बने और किसी को भी दुख का भागी न बनना पड़े।

श्रंखला 65

‖ सोच बदलनी होगी ‖

डॉ मान सिंह भांवरिया

ॐ शांति शांति शांति

इसका उच्चारण करके देखो कितनी शांति प्राप्त होगी। आज हम इस मुहावरे के अनुसार आपको जीवन जीने के तरीके के बारे में बताएंगे। हम जिस आपाधापी और भागदौड़ वाली जिंदगी में जीवन यापन कर रहे हैं सोच बदलनी होगी। कुछ बिंदुओं के द्वारा हमने जीवन को सही मार्ग पर लाने के लिए समझाने की कोशिश की है।

सदैव संस्कारों का आदर करिये

एक राजा के पास सुंदर घोड़ी थी। कई बार युद में इस घोड़ी ने राजा के प्राण बचाए और घोड़ी राजा के लिए पूरी वफादार थी, कुछ दिनों के बाद इस घोड़ी ने एक बच्चे को जन्म दिया, बच्चा काना पैदा हुआ, पर शरीर हृष्ट पुष्ट व सुडौल था।

बच्चा बड़ा हुआ, बच्चे ने मां से पूछा- मां मैं बहुत बलवान हूं, पर काना हूं...। यह कैसे हो गया, इस पर घोड़ी बोली- बेटा जब मैं गर्भवती थी, तब राजा ने मेरे ऊपर सवारी करते समय मुझे एक कोड़ा मार दिया, जिसके कारण तू काना हो गया। यह बात सुनकर बच्चे को राजा पर गुस्सा आया और मां से बोला- मां मैं इसका बदला लूंगा।

मां ने कहा, राजा ने हमारा पालन-पोषण किया है। तू जो स्वस्थ है, सुन्दर है, उसी के पोषण से तो है। यदि राजा को एक बार गुस्सा आ गया, तो इसका अर्थ यह नहीं है कि हम उसे क्षति पहुचाएं। मगर, उस बच्चे के समझ में कुछ नहीं आया। उसने मन ही मन राजा से बदला लेने की ठान ली। वह लगातार राजा से बदला लेने के बारे में सोचता रहता था और एक दिन यह मौका घोड़े को मिल गया। राजा उसे युद पर ले गया। युद्ध लड़ते-लड़ते राजा एक जगह घायल हो गया। घोड़े के पास राजा को युद्ध के मैदान में छोड़कर भाग निकलने का पूरा मौका था।

यदि वह ऐसा करता, तो राजा या तो पकड़ा जाता या दुश्मनों के हाथों मार दिया जाता। मगर, उस वक्त घोड़े के मन में ऐसा कोई ख्याल नहीं आया और वह राजा को तुरंत उठाकर वापिस महल ले आया। इस पर घोड़े को ताज्जूब हुआ और उसने मां से पूछा- मां आज राजा से बदला लेने का अच्छा मौका था, पर युद्ध के मैदान में बदला लेने का ख्याल ही नहीं आया और न ही राजा से बदला ले पाया। मन ने गवाही नहीं दी, राजा से बदला लेने की। ऐसा क्यों हुआ। इस पर घोडी हंस कर बोली- बेटा तेरे खून में और तेरे संस्कार में धोखा है ही नहीं, तू जानबूझकर तो धोखा दे ही नहीं सकता है। तुझसे नमक हरामी हो नहीं सकती, क्योंकि तेरी नस्ल में तेरी मां का ही तो अंश है। मेरे संस्कार और सीख को तू कैसे झुठला सकता था।

वाकई.. यह सत्य है कि जैसे हमारे संस्कार होते हैं, वैसा ही हमारे मन का व्यवहार होता है। हमारे पारिवारिक-संस्कार अवचेतन मस्तिष्क में गहरे बैठ जाते हैं, माता-पिता जिस संस्कार के होते हैं, उनके बच्चे भी उसी संस्कारों को लेकर पैदा होते हैं। हमारे कर्म ही संस्कार बनते हैं और संस्कार ही प्रारब्धों का रूप लेते हैं । यदि हम कर्मों को सही व बेहतर दिशा दे दें, तो संस्कार अच्छे बनेंगे और संस्कार अच्छे बनेंगे, तो जो प्रारब्ध का फल बनेगा, वह अच्छा होगा।

शिक्षा – हम जानबूझकर कोई गलत काम न करें और हम किसी के साथ कोई छल कपट या धोखा भी न करें। बस, इसी से ही स्थिति अपने आप ठीक होती जाएगी और हर परिस्थिति में प्रभु की शरण न छोड़ें तो अपने आप सब अनुकूल हो जाएगा।

सदैव संस्कारों का आदर करिये ।जिसने आप पर उपकार किया है। उसका ऋृण चुकाये जरूर।

संपर्क सूत्र
डॉक्टर मान सिंह भांवरिया
मो +91 9672777737

डॉक्टर का 10 लाख का बीमा क्लेम रोकना सेवादोष

बीमा कंपनी को ब्याज सहित भुगतान का आदेश

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी को डॉक्टर की 10 लाख रुपये की बीमा क्लेम राशि और 70 हजार रुपये हर्जाने के साथ ब्याज सहित भुगतान करने का निर्देश दिया है। आयोग ने इसे सेवादोष और अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस करार दिया।

मामला नारायणा अस्पताल के कार्डियो वेसक्यूलर सर्जन डॉ. अंकित माथुर का है, जिन्होंने 2017-18 के लिए इंडेमिनिटी प्रोफेशनल डॉक्टर्स पॉलिसी ली थी। इस पॉलिसी के तहत मरीज के इलाज में लापरवाही के किसी भी दावे पर बीमा कंपनी को 20 लाख रुपये तक का भुगतान करना था। उपभोक्ता अदालत ने एक मामले में डॉ. माथुर को 10 लाख रुपये हर्जाने का भुगतान करने का आदेश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट तक मामला गया, लेकिन डॉक्टर को राहत नहीं मिली। जब डॉ. माथुर ने बीमा कंपनी से क्लेम मांगा, तो कंपनी ने सूचना देर से मिलने का हवाला देकर क्लेम देने से इनकार कर दिया।

अधिवक्ता अजयराज टाटिया ने बताया कि आयोग ने माना कि कोर्ट की कार्यवाही लंबित होने के कारण डॉक्टर समय पर क्लेम दाखिल नहीं कर सके।

बीमा कंपनी का यह कदम अनुचित व्यापार व्यवहार और सेवा में कमी है। आयोग ने कंपनी को 10 लाख रुपये का क्लेम, ब्याज, और 70 हजार रुपये हर्जाने के रूप में भुगतान करने का आदेश दिया है।

20 वर्षीय कैंसर मरीज को दिया नया जीवन

डॉ. लालचंद मित्तल

जगतपुरा स्थित एशियन कैंसर अस्पताल के चिकित्सकों ने 20 वर्षीय मरीज के टेस्टीस कैंसर का सफल उपचार कर उसे नया जीवन दिया। मरीज के टेस्टीस को हटाने के बाद, पेट में लिम्फ नोड्स की बड़ी गांठें पाई गईं, जो महाधमनी, छोटी आंत और अग्न्याशय से चिपकी हुई थीं। डॉ. लालचंद मित्तल ने गांठ का आकार कम करने के लिए कीमोथेरेपी दी, जिसके बाद अस्पताल के निदेशक और कैंसर सर्जन डॉ. मामराज गुप्ता और डॉ. मयंक गुप्ता की टीम ने जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस सर्जरी में महाधमनी और अन्य संवेदनशील अंगों से जुड़ी गांठ को हटाया गया। मरीज को सर्जरी के सात दिन बाद स्वस्थ होकर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। यह सफलता कैंसर उपचार के क्षेत्र में एशियन कैंसर अस्पताल की विशेषज्ञता को दर्शाती है।

संपर्क सूत्र डॉ लालचंद मित्तल मो- 99690572691

उमावि आदर्श विद्या मंदिर का वार्षिकोत्सव 8 जनवरी को

बिड़ला ऑडिटोरियम में होगा भव्य आयोजन

उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर, राजापार्क का वार्षिकोत्सव 8 जनवरी को बिड़ला ऑडिटोरियम में शाम 5 से आयोजित होगा।

प्रबंध समिति के सचिव संजीव भार्गव ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक बाबूलाल का उद्बोधन होगा। मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल होंगे।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ होंगे।

अध्यक्ष डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि अहिल्या बाई होलकर के जन्म त्रिशताब्दी अवसर पर विद्यालय के बालक- बालिकाएं उनकी जीवनी पर

लघु नाटक प्रस्तुत करेंगे। विशेष कार्यक्रम के रूप में मल्लखंब की प्रस्तुति होगी।

प्राचार्य राजेन्द्र गुप्ता ने जानकारी दी कि इस वार्षिकोत्सव में विद्यार्थी, उनके माता–पिता और पूर्व छात्र बड़ी संख्या में शामिल होंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा, संस्कृति और परंपरा का समन्वय प्रस्तुत करना है।

स्वास्थ्य सेवा में रोबोट और एआई – सहायक

स्वास्थ्य सेवा उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और रोबोटिक्स का बढ़ता उपयोग चिकित्सा क्षेत्र को अधिक कुशल और तकनीकी रूप से उन्नत बना रहा है। हालांकि, इस तकनीकी क्रांति के बावजूद, यह कल्पना करना असंभव है कि रोबोट कभी भी चिकित्सकों की जगह ले पाएंगे।

तकनीकी नवाचार और सीमाएँ – एआई और रोबोटिक्स का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा में सपोर्टिंग भूमिका निभाना है। उदाहरण के लिए, रोबोटिक्स का उपयोग आपूर्ति को स्थानांतरित करने या सर्जरी में सटीकता प्रदान करने के लिए किया जाता है। क्लिनिकल रोबोट नर्सों का कार्यभार कम कर रहे हैं और सप्लाई चेन को सुव्यवस्थित कर रहे हैं। टेलीमेडिसिन असिस्टेंट जैसे उपकरण डॉक्टरों को दूरस्थ स्थानों पर मरीजों के साथ संवाद करने में सक्षम बनाते हैं। फिर भी, इन उपकरणों में मानवीय भावनाओं और नैतिकता की गहरी समझ का अभाव है।

संबंध और करुणा का महत्व – मरीजों के लिए चिकित्सक केवल एक उपचारकर्ता नहीं होते, बल्कि एक सहानुभूतिशील मार्गदर्शक भी होते हैं। डॉक्टर मरीजों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति को समझते हैं और उन्हें सांत्वना प्रदान करते हैं। वहीं, रोबोट जटिल भावनात्मक संबंध विकसित करने में सक्षम नहीं हैं।

जटिल निर्णय और नैतिकता के प्रश्न – एआई सिस्टम तेज़ी और सटीकता के साथ डेटा प्रोसेस कर सकते हैं, लेकिन चिकित्सा में जटिल निर्णय लेने के लिए अनुभव, अंतर्दृष्टि और नैतिकता की आवश्यकता होती है। हर मरीज का मामला अलग होता है, और डॉक्टर नैदानिक अनुभव के आधार पर व्यक्तिगत उपचार योजना तैयार करते हैं।

स्वास्थ्य सेवा में व्यक्तिगत स्पर्श – स्वास्थ्य सेवा एक मानवीय कला है, जहां हर मरीज के लिए व्यक्तिगत देखभाल आवश्यक है। मरीजों की चिकित्सा इतिहास, जीवनशैली और आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डॉक्टर जो समाधान प्रस्तुत करते हैं, वह एआई या रोबोट के लिए असंभव है।

निष्कर्ष – एआई और रोबोटिक्स स्वास्थ्य सेवा में सहायक उपकरण के रूप में अपना स्थान बनाए रखेंगे, लेकिन डॉक्टर हमेशा इस क्षेत्र के केंद्र में रहेंगे। उनकी सहानुभूति, नैतिक निर्णय, और व्यक्तिगत देखभाल की क्षमता तकनीक के किसी भी स्तर से अप्रतिस्थापनीय है। रोबोट डॉक्टरों के काम को आसान बना सकते हैं, लेकिन उनकी जगह नहीं ले सकते। भविष्य का स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र डॉक्टर और तकनीक के बीच संतुलन पर निर्भर करेगा।

हर 10 में से 9 मरीज चाहते हैं कि डॉक्टर उन्हें सुनें

एक सर्वेक्षण में सामने आया है कि 90.2 प्रतिशत मरीज चाहते हैं कि डॉक्टर के साथ पहले परामर्श में वह उन्हें विस्तार से सुनें जबकि 84.4 फीसदी रोगी अपनी बीमारी निदान और दवाओं के बारे में सब कुछ चिकित्सक को बता देना चाहते हैं। भारतीय चिकित्सा संघ ने इस सिलसिले में एक सर्वेक्षण किया है। इसने 1325 लोगों से बातचीत की और पाया कि 71.2 प्रतिशत मरीज चाहते हैं कि पहली मुलाकात में डॉक्टर उनका स्वागत करें और अपना परिचय दें।

रोगी चाहते हैं कि डॉक्टर उन्हें धन्यवाद कहें :– सर्वेक्षण में कहा गया है कि 38.8 फीसदी रोगियों की चाहत है कि परामर्श के बाद डॉक्टर उन्हें धन्यवाद कहें।

सर्वेक्षण के परिणाम आने के बाद आईएमए ने एएलईआरटी अभियान शुरू किया है जिसमें सदस्यों को मरीजों को तवज्जो देने, अपना परिचय देने, मरीज की बात सुनने और उसे बीमारी तथा जांच के बारे में सब कुछ समझाने के लिए कहा जाता है।

ठीक होने में आज भागीदारी चाहता है मरीज :– मरीज से दोबारा बात करने का भी आग्रह है ताकि यह जाना जा सके कि पहली बार बातचीत से उसने क्या समझा और परामर्श के बाद मरीज को धन्यवाद कहा जाए। गुजरे जमाने में मरीज पता की गई बीमारी और दिए गए इलाज पर यकीन रखता था लेकिन आज के वक्त में रोगी यह समझना चाहता है कि उसकी सेहत को क्या चीज परेशान कर रही है और ठीक होने में भागीदारी चाहता है। उन्होंने कहा कि इस तरीके से वे ऐसा महसूस करते है कि वे अपने इलाज की प्रक्रिया में ज्यादा शामिल हुए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए आईएमए ने एएलईआरटी अभियान शुरू किया जिसका मकसद व्यवस्थित तरीके से मरीज की इन चिंताओं का निदान करना है।

60 दवाओं के सैंपल फेल

हिमाचल प्रदेश में बनने वाली 23 दवाईयां गुणवत्ता की कसौटी पर खरी नहीं उतरी है। इन दवाओं में नामी कंपनियों की दवाएं भी हैं। स्वास्थ्य विभाग के केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन ने दवा उद्योगों में बनी करीब 60 दवाओं को सब स्टैंडर्ड घोषित किया है। यह दवाएं एंटीबॉयोटिक, पेट, दर्द, पाचन शक्ति, गर्भवती महिलाएं, उल्टी व खांसी जुकाम में इस्तेमाल होनी थी। खराब दवाओं को वापस लेने से दवा उद्योगों में हड़कपं मचा है। सभी उद्योगों को नोटिस जारी किया जाएंगे।

इन दवाओं में मिली कमी : नितिन लाइफ साइंस सिरमौर का मैक्सिका इंजेक्शन, उल्टी के लिए इस्तेमाल होने वाला हैल्थ बॉयोटेक बद्दी ऑन सेट इंजेक्शन, थियोन फार्मास्यूटिकल नालागढ़ सेफ्ट्रीक्सोन इंजेक्शन, एलायंस बायोटेक बद्दी का फंगल डायस्ट, श्रीराम हेल्थ केयर झाड्माजरी की सिट्रीजन टेबलेट, सिपला बदी की ऑफिलोक्सासिन डिस्परसिबल दवा जो कि एंटीबॉयोटिक व बैक्टिरियल इंफेक्शन के लिए उपयोगी है। उद्योगों से जवाब तलब करते हुए खराब बैच को रिकॉल कर उसे नष्ट करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

गैर–मान्यता प्राप्त अस्पताल में इलाज पर भी मिल सकता है सीजीएचएस लाभ

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि केंद्र सरकार के कर्मचारी गैर–मान्यता प्राप्त अस्पताल में इलाज कराने पर भी सीजीएचएस लाभ से वंचित नहीं किए जा सकते। यह फैसला एक महिला की याचिका पर सुनवाई के बाद आया, जिसे तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता थी लेकिन सीजीएचएस से संबद्ध अस्पताल का पता नहीं लगा पाई थी।

मोबाइल बढ़ा रहा कान की बीमारियां

मोबाइल के बढ़ते उपयोग से युवाओं को कान संबंधी कई गंभीर बीमारियां हो रही हैं। लंबे समय तक मोबाइल का उपयाग काफी घातक हो सकता है। सभी लोगों को कान की बीमारियों से बचने के लिए मोबाइल का कम से कम उपयोग करना चाहिए। कान, नाक व गला रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योतिगर्ग ने शास्त्री नगर के अग्रवाल गेस्ट्रो लीवर एंड ईएनटी सेंटर की ओर से अस्पताल में लगाए गए निशुल्क परामर्श शिविर में मरीजों को यह जानकारी दी। डॉ. गर्ग ने बताया कि शिविर में 250 लोगों की निशुल्क जांच की गई शिविर में मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. निसार अहमद ने भी लोागें को विभिन्न रोगों के प्रति जागरुक रहने की जानकारी दी।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
हैल्थलाइन
डाइग्रोस्टिक सेंटर
सोनोग्राफी, डिजिटल-एक्सरे, एलिसा टेस्ट, फुली ऑटो-एनालाइजर, ऑटोमेटिक सेल कॉउन्टर
शॉप न. 1–3, राजाराम मार्ग, बृह्मपुरी रोड़, बृह्मपुरी खुर्रे के नीचे, जयपुर
मो.9314625238,

HAPPY NEW YEAR
Dr. B. R. Sherawat (B.D.S.)
Shri Ram Dental Chikitsalay
LECTURER IN : EKLAVYA DENTAL COLLEGE, KOTPUTALI
Gagan Tower, Near Gopal Tractor, Thana Mod, Chomu (Jaipur)
Mob - 9928042398

ASHOKA FURNISHINGS
G.S Road, Guwahati-5,
Tel - 0361-2457801-02,
Babu Bazaar, Fancy Bazaar Guwahati1
0361-2637326

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
आदर्श दमा मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल
सन 2007 से सेवारत
डॉ कोपल अग्रवाल MS Gynae
डॉ मोनिका अग्रवाल MS Gynae
डॉ दिनेश गुप्ता शिशु रोग विशेषज्ञ
डॉ भरत शर्मा शिशु रोग विशेषज्ञ
हमारे विशेषज्ञ
निदेशक : डॉ जे एस चौधरी
परामर्श दाता डॉ चेतन्य शर्मा MBBS MD
डॉ लेखराज शर्मा MBBBS MD
डॉ प्रदीप अग्रवाल MBBS MD
राज विलास होटल और बाबा जी मोड़ के मध्य गोनेर रोड जयपुर मो.9414359701

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
तिरूपति मेडिकल
डॉ. सुमित जाँगिड
BAMS, M.D. Panchkarma) NDDY (DSRRAU)
वैद्यशाला आयुर्वेदा एवं पंचकर्मा सेन्टर
शिवधारा हॉस्पिटल के सामने, जयपुर रोड़, चौमू (राज.) RGHS केशलेस सुविधा
मो. 77377 72475

JANGID HOSPITAL
Nawalgarh, Jhunjhunu Distt.
झुझंनु जिले के निवासियों की स्वास्थ्य रक्षा का प्रहरी
Dr. Manish Sharma
Consultant Anaesthesiologist & Intensivist
Mo: 9414402800, Ph: 1594-225500

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
निम्ट कॉलेज ऑफ फिजियोथेरपी
Recognized by the Medical & Health Department, Govt. of Rajasthan
(Affliated to Rajasthan University of Health Science)
MBBS में सेलेक्शन नहीं हुआ, निराश न हो शानदार मेडिकल कैरियर विकल्प है। ADMISSION OPEN
बीपीटी–बैचलर ऑफ फिजियोथेरापी
Become a Doctor of Physiotherapy
कॉलेज द्वारा छात्रवृत्ति प्रत्येक छात्र को
Internationally Recognized Degree in Faculty of Medicine
Duration : 4 Years & 6 months internship
Eligibility : 10+2 PCB with minimum 45%
Age : Minimum age 17 Years as on 31st Dec.
Scholarship : Scholarship provide as per Govt. policy SC/ST, SBC, OBC-BPL & Others.
CONTACT
52 फुट हनुमान जी, बगराना, आगरा रोड, जयपुर-302012
मो.- 9928592235, 9829031341,
www.nimtconpms.com

दुर्घटनाग्रस्त अंगों को सुधारने और पुनः बनाने में, सहायक है प्लास्टिक सर्जरी व रीकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी

● हैल्थ व्यू

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रोफेसर और प्रसिद्ध प्लास्टिक सर्जन डॉक्टर जी एस कालरा का कहना है कि आने वाले वर्षों में प्लास्टिक सर्जन की भूमिका मानव के लिए अत्यंत उपयोगी और महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

डॉ जी एस कालरा

इसमें विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके विकृत या नष्ट हुए अंगों को पुनर्निर्माण किया जाता है। प्लास्टिक सर्जरी का उद्दीपन न केवल रूपांतरण में है, बल्कि यह व्यक्तियों को जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में भी सहायक है। इस चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे नवीन अविष्कारों ने इसे और भी सुगम बना दिया है। नई तकनीकें और उन्नत साधनों के साथ, प्लास्टिक सर्जरी ने अपंगता से पीड़ित व्यक्तियों को नया आत्मविश्वास और जीवन की संभावनाओं को बढ़ावा दिया है। प्लास्टिक सर्जरी द्वारा विभिन्न दुर्घटनाग्रस्त हुए अंगों को पुनः सुधारा जा सकता है।

चेहरा और गर्दन - चेहरे की सुधार और गर्दन के क्षेत्र में प्लास्टिक सर्जरी से व्यक्तियों को चेहरे की समानता की प्राप्ति, रूपांतरण, और त्वचा की सुधार की जाती है।

आने वाले वर्षों में अत्यंत महत्वपूर्ण होगी एक प्लास्टिक सर्जन की भूमिका

हड्डियां और जोड़ों की सर्जरी - दुर्घटनाएं जो हड्डियों और जोड़ों को प्रभावित करती हैं, उनकी सुधार के लिए प्लास्टिक सर्जरी एक विकल्प होती है।

हाथ और पैर - चोट, आग, या अन्य यातायात दुर्घटनाओं से प्रभावित हुए हाथ और पैर को भी सुधारने के लिए प्लास्टिक सर्जरी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

मस्तिष्क और नसों की सर्जरी - मस्तिष्क और नसों की सर्जरी के माध्यम से उच्च स्तर की चिकित्सा और रूपांतरण सुविधा प्रदान की जा सकती है, जिससे व्यक्ति को शारीरिक और मानवीय सुधार मिलता है।

स्तन सर्जरी - स्तन सर्जरी के माध्यम से

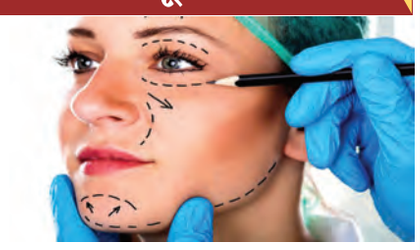

महिलाओं को स्तन कैंसर के इलाज, स्तन सुधार, या स्तन की आकृति में परिवर्तन के लिए सहायता मिलती है। ये केवल कुछ उदाहरण हैं, प्लास्टिक सर्जरी के माध्यम से मानव शरीर के कई अंगों को सुधारा जा सकता है।

संपर्क सूत्र - डॉ जी एस कालरा
मो 98290 50655

चाय के टी बैग में छिपा खतरा

लाखों माइक्रोप्लास्टिक्स से स्वास्थ्य पर मंडराता संकट

अगर आप टी बैग का इस्तेमाल कर चाय बना रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। स्पेन में हुए एक शोध में खुलासा हुआ है कि टी बैग्स से लाखों माइक्रोप्लास्टिक्स और नैनोप्लास्टिक्स निकलते हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं।

बार्सिलोना के स्वायत्त विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया कि टी बैग्स की बाहरी परत पॉलिएस्टर, नायलॉन-6 और पॉलीप्रोपाइलीन जैसे पदार्थों से बनी होती है। गर्म पानी में डालने पर ये कण टूटकर निकलते हैं और आंतों की कोशिकाओं में घुसकर रक्त प्रवाह के जरिए पूरे शरीर में फैल सकते हैं।

प्रमुख निष्कर्ष-

टी बैग्स में माइक्रोप्लास्टिक्स और नैनोप्लास्टिक्स की मौजूदगी। ये कण मानव स्वास्थ्य को दीर्घकालिक रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं। प्लास्टिक के कण आंतों से रक्त में प्रवेश कर शरीर के अन्य हिस्सों में फैल जाते हैं। शोधकर्ताओं ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि वे प्लास्टिक आधारित टी बैग्स का उपयोग करने से बचें और पारंपरिक तरीके से चाय बनाने को प्राथमिकता दें।

एसएमएस अस्पताल में एक मरीज की दो पित्त की थैली का सफल ऑपरेशन

जयपुर। राजस्थान का सबसे बड़ा अस्पताल है सवाई मानसिंह अस्पताल यहां असाध्य रोगों का इलाज भी अत्यंत सस्ते दरो पर किया जाता है और राजस्थान की जनता को निशुल्क भी किया जाता है। सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के सर्जरी विभाग ने दुर्लभ चिकित्सा उपलब्धि हासिल करते हुए एक मरीज की दो पित्त की थैली का एक साथ सफल ऑपरेशन किया।

चांदपोल निवासी 48 वर्षीय जेबुनिशा बानो को पेट दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था।

जांच में पता चला कि उनके शरीर में दो पित्त की थैलियां हैं, चिकित्सकों के अनुसार यह चार हजार मामलों में से एक में पाई जाती है। सर्जरी विभाग के यूनिट हेड डॉ. भूपेन सोनगरा और सह आचार्य डॉ. नरेंद्र शर्मा के नेतृत्व में यह ऑपरेशन दूरबीन तकनीक से किया गया।

डॉ. सोनगरा ने बताया कि मरीज की स्थिति दुर्लभ थी और ऑपरेशन बेहद चुनौतीपूर्ण था। इसके बावजूद टीम ने सफलता पूर्वक ऑपरेशन कर मरीज की जान बचाई।

यह ऑपरेशन मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत निशुल्क किया गया। इस उपलब्धि में डॉ. सांवरमल कांटवा समेत अन्य चिकित्सकों, रेजिडेंट्स और स्टाफ का अहम योगदान रहा।

जयपुर के एलएमबी को मिठाई एवं नमकीन रत्न अवॉर्ड से किया सम्मानित

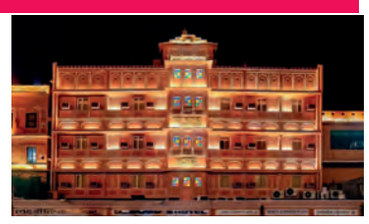

लक्ष्मी मिष्ठान भंडार (एलएमबी), जयपुर के पारंपरिक मिठाई घर को हाल ही में स्वीट्स एंड नमकीन मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित वर्ल्ड मिठाई-नमकीन कन्वेंशन एक्सपो में मिठाई एवं नमकीन रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान एलएमबी के निदेशक अजय अग्रवाल और उनके पुत्र अनन्य अग्रवाल ने प्राप्त किया। एलएमबी की स्थापना 1727 में हुई थी और यह जयपुर के जोहड़ी बाजार में स्थित है। यह प्रतिष्ठान अपनी पारंपरिक राजस्थानी मिठाइयों के लिए प्रसिद्ध है, जिनमें घेवर, टिकिया और दही बड़े शामिल हैं।

अजय अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा, व्लर्ड मिठाई-नमकीन कन्वेंशन एक्सपो में यह सम्मान मिलना हमारे लिए गर्व का विषय है। हमारे पिता श्री राधेश्याम अग्रवाल के मार्गदर्शन में एलएमबी ने अपनी साख को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया है। एलएमबी का इतिहास भी उतना ही समृद्ध है जितनी इसकी मिठाइयां। टोंक के हलवाई घोड़ामल ने अपने परिवार के साथ जयपुर आकर जोहरी बाजार की पार्टनियों का रास्ता में यह दुकान शुरू की थी। 1940 के दशक में 16वीं पीढ़ी के सेठ मालीराम घोड़ावत ने इसे मुख्य सड़क पर स्थानांतरित किया, जहां यह आज भी स्थित है। आज एलएमबी न केवल पारंपरिक राजस्थानी मिठाइयों का केंद्र है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बना चुका है।

DO YOU KNOW

ठंड में सो जाते हैं जानवर

दुनिया भर में ठंड का मौसम आरंभ हो चुका है। जानवर हों या फिर इंसान, सभी को ठंड परेशान करती है। इंसान तो अपना बचाव गर्म कपड़ों की मदद से कर लेते हैं, पर जानवर ऐसे में क्या करते होंगे? उनके पास तो कपड़े होते नहीं। ऊपर से जंगल में ठंड भी ज्यादा लगती है। ऐसे में कई जानवर हाइबरनेशन में चले जाते हैं। जहां ये लंबे समय तक सोते रहते हैं। आज ऐसे ही जानवरों के बारे में जानते हैं।

भालू : *भालू की चार तरह की प्रजातियां सर्दियों का अधिकांश समय जमीन में खोदे गए गड्ढों, मांद, गुफाओं या खोखले पेड़ों में सो कर बिताती हैं। अमेरिकी काले भालू, एशियाई काले भालू, भूरे भालू और ध्रुवीय भालू या पोलर बीयर, ये चार ऐसी प्रजातियां हैं, जो सर्दियों के दिन नींद में बिताना पसंद करती हैं।*

एल्पाइन मेरमोट्स : *मेरमोट्स पूरे साल में तकरीबन 8 से 9 माह के लिए हाइबरनेशन में चले जाते हैं। शीत निद्रा के दौरान वे हर मिनट में 2 या 3 बार ही सांस लेते हैं। यही नहीं, इनके दिल की धड़कन भी 120 बीट प्रतिमिनट से घट कर 3 या 4 बीट प्रति मिनट ही रह जाती है।*

चमगादड़ : *जंगली भूरे चमगादड़ 64 से 66 दिन तक और ज्यादा से ज्यादा 344 दिन तक नींद की अवस्था में रह सकते हैं। इस दौरान इस छोटे से प्राणी को भोजन की जरूरत नहीं पड़ती, लेकिन अपनी प्यास बुझाने के लिए ये जागते हैं। इनके दिल की धड़कन शीत निद्रा में 1000 से गिर कर 25 ही रह जाती है और कुछ चमगादड़ तो हर दो घंटे में केवल एक बार ही सांस लेते हैं।*

पार्षद अरुण वर्मा के दोनों पैरों का सफल ऑपरेशन, धन्वन्तरी हॉस्पिटल टीम का किया आभार व्यक्त

डॉ. आर पी सैनी

जयपुर नगर निगम (ग्रेटर) के चेयरमैन और वार्ड 73 के पार्षद भाई अरुण वर्मा (बजरंगी) के दोनों पैरों में पिछले दिनों दुर्घटना के कारण फ्रेक्चर हो गया था...! उन्होंने न्यू सांगानेर रोड, मानसरोवर स्थित धन्वन्तरी हॉस्पिटल में डॉ आर पी सैनी को दिखाया। वहां उन्हें भर्ती कर दोनों पैरों का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। अरुण वर्मा को शीघ्र स्वस्थ कर पुनः अपने पैरों पर दौड़ाने के लिए उन्होंने डॉ आर पी सैनी और टीम का शुक्रिया अदा किया। अरुण वर्मा ने अस्पताल की टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, धन्वन्तरी हॉस्पिटल में मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और समर्पण का जो माहौल है, वह सराहनीय है।

संपर्क सूत्र - डॉ आर पी सैनी
मो 9829055760

CARDIGAN • PULLOVER • JACKETS • SHAWLS • STOLE • SHIRT • WOOLLEN KURTI • LADIES COAT
MEENU DRESSES
SINCE 1959
BIG SIZE UPTO 52 AVALIABLE
RETAIL/WHOLESALE
315, Uday Marg, Nr. SBI Bank, Lane No. 7, Rajapark, Jaipur | 9314873711
STORE LOCATION
SCAN QR CODE
SUNDAY OPEN

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. KSHITIJ MATHUR
(BDS, MAOI)
MUSKAAN
DENTAL CLINIC
C-19 Jyoti Marg Bapu Nagar Jaipur
Mob-9829019558, 8949446572

Dr. ANSHUL MITTAL
MBBS, DCH, FELLOWSHIP NEONATOLOGY
OPD TIMING
MORNING
9:00 AM To 2:00 PM
EVENING
5:00 PM To 8:00 PM
MITTAL CHILDREN HOSPITAL
spreading smiles
E-61 Girdhar Marg, Near Reliance Fresh Malviya Nagar, Jaipur Mob- 8696866809
Mail-dranshulmittal@gmail.com

SHRI BALAJI DENTAL HOSPITAL
BRACES SPECIALIST
Dr. Ashwani Jadon
M.D.S. (Orthodontics)
Dr. Parul Jadon
B.D.S. MIDA
12/11, Girdhar Mard Malviya Nagar, Jaipur
Mail- drashwanijadon@gmail.com
Mob 9929807746

Carry Home A Relationship
MARUTI SUZUKI
Count on us
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाए
NEXA
S-CROSS
ALTO K10
शोरूम : वर्वीस रोड, वैशाली नगर, जयपुर
k. p. automotives(p) ltd.
(Authorised Maruti Dealer)
Govind Marg Adarsh Nagar-407444, Banipark-4072222, Shahpura-9549651853, Chaksu-9549651811

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
Silver Queen JEWELLERS
SINCE 1984
Gold - Polki - Diamond
Ruby - kundan - jadau
पक्का सोना-पक्का विश्वास अटूट सम्बन्ध
Seth Srilal Market, Siliguri Ph. 2430964, 2533898
Email - silverqueenjewellers1984@gmail.com

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाए
YASH BATTERY SERVICE
Authorised Sales & Service Dealer
EXIDE
Yash Pal Bhatia
Mob - 9414066535
BOSCH
Vaibhav Bhatia
Mob -8851730213
Shop No. 6-7, Baraf Khana, Adarsh Nagar Jaipur

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. नारंग हॉस्पिटल
Super Speciality Excellence Chest, Infertility & Urosurgery
डॉ. राजीव नारंग
MBBS MD
Chest Physician & Pulmonologist
Speciality in
Asthma, Allergy, Fibre Optic Bronchoscopy, Allergy Skin Prick Test & Sleep Disorder
ए-288 नेशनल हैण्डलूम के पीछे, वैशाली नगर जयपुर मो. 94142-50617

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
SHREERAM
DEPARTMENTAL STORE
A Complete Shopping Complex
Ramchandra Puruswani
A-1, Basant Bahar, Nr. Gopalpura Flyover, Tonk Road, Jaipur-302 018
HOME DELIVERY AVAILABLE
Ph.Ñ 2548110, 2546851, 5127162

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
SHRI HOSPITAL
Dr. GOPAL KHANDELWAL (MD Medicine)
Dr. Manju Khandelwal (MS Gynae)
Approved Hospital With Saras, Alankit, JVVNL, RRVPNL, PNB Etc & with Insurance Co.'s
4 Vishnupuri, Jagatpura Road, Jaipur Ph: 2752880

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
ISO 9001-2000 Certified Co.
omni
Pure Milk Cream Ice Cream.
ICE CREAM No Frozen Desert
शादी व पार्टी में बुकिंग के लिये सम्पर्क करें
9414044050, 2324050, 2770211

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. एम.के. गुप्ता (एम.डी.)
एलर्जी एवं चेस्ट स्पेशलिस्ट
आँच
एलर्जी अस्थमा एवं चेस्ट हॉस्पिटल
K-32 इनकम टेक्स कॉलोनी, एस.एल.मार्ग, दुर्गापुरा, टोंक रोड जयपुर
फोन 9950808583, मो. 9799120333
EMPANELED : JDA, Rajasthan University, JVVNL, RTDC, RCDF

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाए
शादी दिलों का मेल है, उसे यादगार बनाइए
वैवाहिक परिधानों की सम्पूर्ण रेंज
Raja Sahab
His & Hers Store
Raja Park, Jaipur. Ph. : 2623001-002

Dr. Pushkar Gupta
MD (Med.), DM, DNB (Neuro)
Consultant
Neurologist
C.K. BIRLA Hospital
Resi : A-13, Jai Jawan-1, Tonk Road, Durgapura. Jaipur
Mo : 9828020015

Dr. DEEPAK VANGANI
Ms, Mch (Mumbai) Senior Consultant Neurosurgeon
Laser Endoscopy and Microneuro Surgery
NEURO SPINE CLINIC
L-24, Income Tax Colony, Tonk Road Durgapura, Jaipur
Mob 9829013398 www.vanganispinecare.com

Sparsh
स्पर्श हॉस्पिटल
चिरंजीवी एवं RGHS सुविधा के तहत नि:शुल्क इलाज
सुविधाएं
• हृदय रोग विभाग • दन्त रोग विभाग
• स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग • मेडिसिन विभाग
• नाक, कान एवं गला रोग विभाग • जनरल सर्जरी विभाग
• रोडियोलॉजी विभाग • हड्डी एवं जोड़ विभाग
• बाल एवं शिशु रोग विभाग • पेट एवं लीवर रोग विभाग
• यूरोलॉजली रोग विभाग • फिजियोथेरेपी विभाग
ICU / NICU
24x7 आपातकालीन सेवाएं
ट्रोमा एवं एन्जोग्राफी एन्जोप्लास्टी
आसीन्द नगर, न्यू सांगानेर रोड़, सांगानेर, जयपुर फोन:-0140-2733348, मो. 8239038379

पाइल्स हॉस्पिटल
पाइल्स (बवासीर) व अन्य गुदारोगों का अस्पताल
A DAY CARE ANOREACTAL SURGERY CENTRE
डॉ. दिनेश शाह वरिष्ट पाइल्स एवं गुदा रोग विशेषज्ञ M.S., FAIS, FIAGES, FACRSI
डॉ. अंशुल शाह मो. 8209632767
6/64, विद्याधर नगर, जयपुर
फोन - 0141-2334959

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रमन अग्रवाल द्वारा 170/ 3, रामगली राजापार्क के लिए जयपुर से प्रकाशित एवं मोहन शर्मा एंड कंपनी प्रा. लि., ए-10, सुदर्शनपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर से मुद्रित। सम्पादक : रमन अग्रवाल, सह सम्पादक - मीना अग्रवाल, 9829066272